ईश्वरीय
खजाना
टीम
*Presents*

# विशेष पुरुषार्थ

## तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

भक्ति का भटकना क्यों शुरू हुआ? जब आत्मा इस शरीर रूपी चोले को धारण करने और न्यारे होने में असमर्थ हो गई। अब आप सभी श्रेष्ठ आत्मायें इस शरीर के आकर्षण से परे एक सेकण्ड में हो सकते हो, ऐसी प्रैक्टिस है? प्रैक्टिस की परीक्षा का समय कौनसा होता है? जब कर्मभोग का ज़ोर होता है। यह तो टग ऑफ़ वॉर का समय है, ऐसे समय कर्मभोग को कर्मयोग में परिवर्तन करने वाले साक्षी हो कर्मेन्द्रियों से भोगवाने वाले जो होते हैं, उनको ही अष्ट रत्न कहा जाता है।

अभ्यास- मैं आत्मा परमधाम से इस देह रूपी चोले में सेवा अर्थ आई हूँ, कर्म ख़त्म हुआ, शरीर से एकदम न्यारे वापिस परमधाम चले जाएँ। यह अभ्यास कर्मभोग के समय में भी विजयी अनुभव करायेगा।

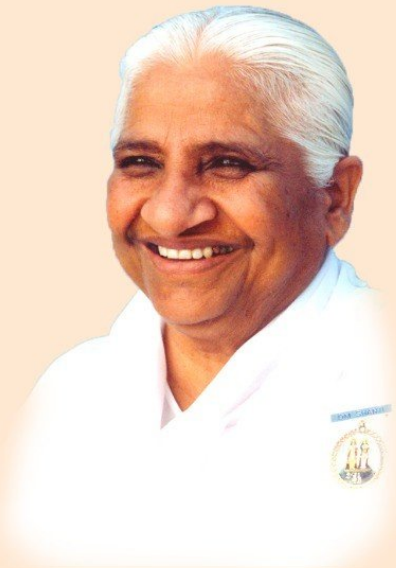

# दादी जी की प्रेरणाएँ..

जो कुमार अपने हाथ से पकाकर खाते हैं, मैं उन्हों को अपने से भी बड़ा मानती हूँ। आप धन्य हो। अगर सूखी रोटी खाकर चलते तो बाबा आपको मदद देगा। आप दो रोटी खाओ बाबा की मस्ती में रहो। ऐसे नहीं सोचो रोज-रोज ऐसे कैसे होगा। अरे रोज संगम थोड़े ही आएगा। जितना तपस्वी बनो उतना धन्य बनेंगे। धन्य बनना है तो त्यागी, तपस्वी बनो। तप से ही महान बनेंगे, कर्मेन्द्रियों को वश करना ही तपस्या है। वृत्तियों को कंट्रोल करना ही तपस्या है। अतीन्द्रिय सुख के रस में रहो, रोटी तो घोड़े को घास है, इसका रस नहीं।

Dadi Prakashmani Ji ..

## अव्यक्त शिक्षाएँ

समर्थ आत्मायें हैं, विशेष आत्मायें हैं यह नशा और खुशी सदा रहे। समर्थ माना व्यर्थ को समाप्त करने वाले। जैसे सूर्य अन्धकार और गन्दगी को समाप्त कर देता है। ऐसे समर्थ आत्मायें व्यर्थ को समाप्त कर देती हैं। व्यर्थ का खाता खत्म, श्रेष्ठ संकल्प, श्रेष्ठ कर्म, श्रेष्ठ बोल, सम्पर्क और सम्बन्ध का खाता सदा बढ़ता रहे। ऐसा अनुभव है! हम हैं ही समर्थ आत्मायें यह स्मृति आते ही व्यर्थ खत्म हो जाता। विस्मृति हुई तो व्यर्थ शुरू हो जायेगा। स्मृति स्थिति को स्वतः बनाती हैं। तो स्मृति स्वरूप हो जाओ। स्वरूप कभी भी भूलता नहीं। आपका स्वरूप है स्मृति स्वरूप सो समर्थ स्वरूप। बस यही अभ्यास और यही लगन। इसी लगन में सदा मग्न, यही जीवन है।

अ.बापदादा-05.12.83

जो लक्ष्य रखा जाता है उसको पूर्ण करने के लिए ऐसे लक्षण भी अपने में भरने हैं। ढीले कोशिश वाले कहाँ तक पहुँचेंगे? कोशिश शब्द ही कहते रहेंगे तो कोशिश में ही रह जायेंगे।

**Avyakt Murli - 24-01-1970**

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

उत्तम से सर्वोत्तम
वही बना है,
जिसने आलोचनाओं को
सुना है, सहा है।
निरंतर आगे बढ़ा और
बढ़ता गया।

Brahma Kumaris
Daily Vichar

Bk. Naveen Sethi
Om Shanti

buddha says
miracles start to happen
when you give as much energy
to your dreams as you do
to your fear.

Belief System – "If we are Nice always
People take us for Granted."
Nice means Responding with Stability.
Nice means not Copying their wrong.

Express your opinion assertively.
Refuse to be exploited or abused.
Do it with Peace, Respect and Dignity.

**Goodness is POWER. It's YOUR STRENGTH.**

BKShivani

## Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org